

ओ३म्
वैदिक वीररंगनर दल

ररषुड्रीय कररररलय - B-123, मरलवीय नगर, जयपुर (ररज.)

मोबरइल : 9829665231 फोन : 0141-2525870,

सरदर प्रकरशनररुथ

दरनरंक : 14 सरतम्बर, 2015

दुनररर उनके सरथ होती है, जरनकी अहसरन मरननर आदत होती है

वैदिक वीररंगनर दल कर कन्यर उपनयन संस्कर सडुडनन

जयपुर। वैदिक वीररंगनर दल दररर 108 कन्यरओं कर उपनयन संस्कर आयोजरत कररर गयर। कन्यरओं ने वेदमंत्रों के सरथ यज्ञ करते हुए जनेऊ धरण की।

दल की ररषुड्रीय अधुडकष अनरमरकर शररर ने बतररर कर ररजस्थरन के वरभरनन जरलों की बरलरकररं व महरलररं उकरत सडरररुह में शरमरल हुई। इस अवसर पर वैदिक वीररंगनर दल की संरक्षक शुरीमती दुर्गर शररर ने अपने संबोधन में कहर कर दुनररर उन लरगों कर सरथ देती है, जो अहसरन मरननर जरनते है। कसरी ने हरररे लरर कुछ कररर और हमने उसके प्रतर कृतज्ञतर दरखरई तो करने वरले कर उत्सरह बढतर है। एहसरन मरननर जरनकी आदत बन जरती है, उनके दोसुतों की संखुडर लगरतर बढतर है।

अनरमरकर शररर

ररषुड्रीय अधुडकष